आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 23.01.2026
समय 07.20

पहले मुख्य समाचार :–

- राज्य के विभिन्न हिस्सों में आज बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना।
- प्रदेश में आधुनिक शहरी परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में देहरादून में ई–बीआरटी और हरिद्वार व नीलकंठ के लिए रोपवे परियोजनाओं की तैयारियां तेज।
- नई दिल्ली में होने वाले भारत पर्व के दौरान 26 से 31 जनवरी तक लाल किले में प्रदर्शित होगी उत्तराखण्ड की झांकी।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने उद्यान और कृषि विभाग को मिलकर सेब, कीवी व ऐरोमा के क्षेत्र में एकीकृत परियोजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए।

मौसम

मौसम विभाग ने आज राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी दी है। विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, देहरादून, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ ज़िलों में कहीं–कहीं भारी बारिश और दो हजार तीन सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की संभावना है। प्रदेश के पर्वतीय जिलों के अधिकांश हिस्सों में हल्की से भी मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

इसके साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों में कहीं–कहीं गरज के साथ ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली चमकने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। कुछ क्षेत्रों में शीत दिवस की स्थिति भी बनी रह सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि इसके बाद आने वाले 2 से 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

परिवहन व्यवस्था

राज्य में आधुनिक और पर्यावरण–अनुकूल शहरी परिवहन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में देहरादून समेत प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बस रैपिड ट्रांजिट, ई–बीआरटी और रोपवे परियोजनाओं की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सचिवालय में आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की समीक्षा बैठक में शहरी परिवहन से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की गई। एक रिपोर्ट–

बैठक में बताया गया कि देहरादून शहर में दो प्रमुख कॉरिडोरों पर ई–बीआरटी परियोजना लागू करने के लिए उत्तराखंड मेट्रो रेल, शहरी अवस्थापना एवं भवन निर्माण निगम लिमिटेड–यूकेएमआरसी से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। इसके लिए आवश्यक अध्ययन कराने के निर्देश दिए गए हैं और अध्ययन पूरा होने के बाद प्रस्ताव को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। आवास सचिव ने कहा कि बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए ई–बीआरटी जैसी व्यवस्था की जरूरत है, जिससे आम लोगों को तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिल सके।

हरिद्वार में हरकी पौड़ी के लिए प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना को भी यूकेएमआरसी बोर्ड की मंजूरी मिल चुकी है। इस परियोजना के प्रस्ताव को शीघ्र सक्षम प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

त्रिवेणी घाट से नीलकंठ महादेव मंदिर तक प्रस्तावित रोपवे परियोजना को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है। फॉरेस्ट क्लियरेंस स्टेज–1 की प्रक्रिया पूरी होने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बैठक में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक परिवहन योजना तैयार करने पर जोर दिया गया। आकाशवाणी देहरादून के लिये समाचार कक्ष से अमित सुन्द्रियाल

रेल परियोजनाओं पर चर्चा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में मुरादाबाद मंडल की मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में रेल अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, पूर्ण और प्रगतिरत रेल परियोजनाओं तथा भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रबंधक ने मुख्यमंत्री को बताया कि रुड़की–देवबंद नई रेल लाइन परियोजना का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत बनहेड़ा खास तथा झबरेड़ा में नए रेलवे स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

इसके साथ ही लक्सर–हरिद्वार रेल खंड में गति वृद्धि का कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि सहारनपुर–हरिद्वार खंड में गति बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 130 किलोमीटर प्रति घंटा गति के लिए डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है और दीर्घकालिक रूप से 160 किलोमीटर प्रति घंटा गति के लिए मार्गों की पहचान की गई है।

श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि हरिद्वार और देहरादून रेलवे स्टेशनों की क्षमता वृद्धि और पुनर्विकास की योजना प्रस्तावित है। साथ ही योग नगरी ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक नई रेलवे लाइन परियोजना पर निर्माण कार्य जारी है, जिसमें प्रमुख सुरंगों का कार्य लगभग 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

पराक्रम दिवस

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश और प्रदेशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक महान क्रांतिकारी और प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने अपनी संगठन क्षमता, साहस और नेतृत्व से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। राज्यपाल ने कहा कि नेताजी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है और युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेताजी का भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि वे भारत के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्होंने अपने नेतृत्व और साहस के बल पर आज़ादी के आंदोलन को नई ऊर्जा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज़ाद हिंद फौज के संस्थापक और सेनानायक के रूप में नेताजी का योगदान अविस्मरणीय है। उनका संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

झांकी

नई दिल्ली में होने वाले भारत पर्व के दौरान इस वर्ष उत्तराखण्ड की झांकी "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" थीम के अंतर्गत प्रदर्शित की जाएगी। रक्षा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों की झांकियों की जानकारी दी गई, जिसमें उत्तराखण्ड की झांकी भी शामिल है।

बताया गया कि 26 से 31 जनवरी तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में आयोजित भारत पर्व के दौरान उत्तराखण्ड की विकास यात्रा को दर्शाया जाएगा। "आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड" थीम के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक, आर्थिक और पारंपरिक आत्मनिर्भरता को प्रस्तुत किया जाएगा, जो आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप है।

झांकी में उत्तराखण्ड की पारंपरिक तांबे की शिल्प कला को प्रमुखता से दर्शाया गया है। इसमें ढोल, रणसिंघा, मंजीरा, गागर, सुरही और कुण्डी जैसे तांबे के पारंपरिक वाद्य यंत्र और बर्तन प्रदर्शित किए गए हैं। झांकी के एक हिस्से में तांबे के कारीगर को हाथ से बर्तन बनाते हुए दिखाया गया है, जो पीढ़ियों से चली आ रही शिल्प परंपरा, कौशल और श्रम का प्रतीक है।

झांकी के माध्यम से उत्तराखण्ड के शिल्पी समुदाय की कारीगरी, सांस्कृतिक योगदान, आजीविका और परंपराओं को दर्शाया गया है। इसमें यह भी दिखाया गया है कि पारंपरिक तांबे की शिल्प कला आज भी राज्य के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का अहम हिस्सा बनी हुई है और अनेक परिवारों के लिए आजीविका का सशक्त माध्यम है।

बैठक

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य में धीमी गति से चल रही परियोजनाओं पर नाराज़गी जताई है। सचिवालय में पूंजीगत व्यय, सीएसएस और विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि वाह्य सहायतित योजनाओं की धीमी प्रगति के लिए संबंधित विभागाध्यक्ष और सचिव जिम्मेदार होंगे।

उन्होंने उद्यान और कृषि विभाग को मिलकर सेब, कीवी और ऐरोमा में एकीकृत परियोजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए। फिशरीज के तहत ट्राउट उत्पादन के लिए कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता बताते हुए पशुपालन और सहकारिता विभाग को लाइव स्टॉक व फिशरीज से जुड़े एकीकृत प्रोजेक्ट बनाने को कहा।

मुख्य सचिव ने एप्पल मिशन के तहत नर्सरी और कोल्ड स्टोरेज चेन विकसित करने तथा प्रदेशभर में आवश्यकता अनुसार कोल्ड स्टोरेज चेन तैयार करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सभी विभागों को मार्च 2026 तक के लक्ष्य तुरंत वित्त विभाग को देने और 30 जनवरी तक सभी प्रस्ताव शासन को भेजने को कहा गया। इसके बाद आने वाले प्रस्तावों पर विचार नहीं होगा और अच्छा प्रदर्शन करने वाले विभागों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बसंत पंचमी

बसंत पंचमी के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि बसंत पंचमी ज्ञान, विद्या और बुद्धि की आराधना के साथ–साथ प्रकृति के नव सृजन और नई ऊर्जा का प्रतीक पर्व है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति के श्रृंगार और नई ऊर्जा के संचार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह दिन माता सरस्वती को समर्पित है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ–साथ समाज में ज्ञान, संगीत और कला को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।

जल जीवन मिशन

चमोली के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

विकास भवन में हुई बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन की योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए आपसी समन्वय के साथ समस्याओं का निस्तारण किया जाए। उन्होंने हर घर जल योजना के तहत राजस्व ग्रामों के पंजीकरण कार्य को जल्द पूरा कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।